भारतीय अंतरराष्ट्रीय समुद्री खाद्य प्रदर्शनी-2020

भारतीय अंतरराष्ट्रीय समुद्री खाद्य प्रदर्शनी - 2020 का दीप जलाकर उद्घाटन करते महामहिम राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान

इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो (आईआईएसएस 2020) का 22वां संस्करण केरल की वाणिज्यिक धड़कन कहे जाने वाले कोच्चि में 7 से 9 फरवरी 2020 तक आयोजित किया गया। इस बार शो की मुख्य थीम थी- 'ब्लू इवोल्यूशन : बियॉन्ड प्रोडक्शन टू वैल्यू एडिशन'। शो का उद्देश्य था, जलीय कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी हस्तक्षेपों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करना तथा प्राथमिक उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण और परिवहन तक, समुद्री खाद्य उत्पादों की संपूर्ण मूल्य शृंखला में स्थायित्व के प्रति देश की प्रतिबद्धता को उजागर करना। इस द्विवार्षिक कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की नोडल एजेंसी 'समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण' (एमपीईडीए) और 'सीफूड एक्सपोर्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एसईएआई) द्वारा किया गया था।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में 1,500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें 12 देशों से आए 50 प्रतिनिधि भी शामिल थे जिन्होंने वैश्विक समुद्री उत्पाद उद्योग के समक्ष खड़ी चुनौतियों और अन्य मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया। एशिया की सबसे बड़ी समुद्री खाद्य प्रदर्शनियों में शामिल आईआईएसएस-2020 का यह आयोजन कोच्चि में 12 वर्षों के अंतराल के बाद हुआ। इसके अंतर्गत 7,000 वर्ग मीटर में फैले 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे जिनमें मूल्यवर्धन के लिए स्वचालित और आईटी सहायता प्राप्त पूर्व-प्रसंस्करित, प्रसंस्करित और भंडारण प्रौद्योगिकियों पर आधारित उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला प्रदर्शित की गई थी।

केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने 7 फरवरी को होटल ग्रैंड हयात में लुलु बोलगेट्टी इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आईआईएसएस-2020 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने रोजगार बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने इसके लिए प्रयास तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने समुद्री खाद्य उत्पादन को बढ़ाने की भी आवश्यकता बताई। इस मौके पर राज्यपाल महोदय ने

उत्पादन, विविधीकरण और मूल्यवर्धन के आधार पर समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तीन-स्तरीय रणनीति का भी खुलासा किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह की रणनीति से भारत 2030 तक वैश्विक समुद्री खाद्य व्यापार में अपना हिस्सा वर्तमान 4.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत तक पहुंचा सकेगा। उन्होंने कहा कि समुद्र और मत्स्य पालन ने हमेशा हम भारतीयों की कल्पना को सम्मोहित किया है। यहां तक कि भगवान विष्णु का प्रथम अवतार भी मत्स्य रूप में था।

समुद्री खाद्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि वैश्विक आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा समुद्री तटों से 200 किमी के भीतर रहता है और 15 में से 12 मेगा शहर तटों के किनारे बसे हुए हैं। अकेले भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में लगभग 40.5 मिलियन लोग शामिल हैं। यह क्षेत्र हमारे सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में एक प्रतिशत का योगदान देता है। एमपीईडीए के अध्यक्ष श्री के.एस. श्रीनिवास ने अपने स्वागत भाषण में जलीय कृषि को बढ़ावा देने, इस क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने, खेती का विस्तार करने और प्रजातियों में विविधता लाने के लिए त्रि-आयामी रणनीति पर काम करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इस रणनीति पर अमल करने से वर्तमान पांच मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में 10 मीट्रिक टन तक पहुंचाया जा सकता है। इस संबंध में एक विजन डॉक्यूमेंट सरकार को भी सौंपा गया है। श्रीनिवासन ने कहा कि बुनियादी ढांचे में सुधार, मूल्य संवर्धन, ब्रांड संवर्धन और व्यापार संवर्धन कार्यालयों की संख्या में वृद्धि व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने की दीर्घकालीन दिशा तय करेगी। उद्घाटन सत्र को एमपीईडीए की पूर्व अध्यक्ष सुश्री लीना नायर और श्री जी. मोहन कुमार, केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) के अध्यक्ष डॉ. क्रिस्टी फर्नांडीज, एसईएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीश वी फोफांडी और एसईएआई केरल परिक्षेत्र के अध्यक्ष श्री एलेक्स के. नैनन ने भी संबोधित किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री फर्नांडीज ने कहा कि उपभोक्ताओं की वरीयताओं में बदलाव के कारण नए बाजारों को रास्ता देते हुए पारंपरिक बाजार नीचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवोन्मेष, निवेश और एकीकरण से बाधाएं दूर करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्री फोफांडी ने कहा कि इस वर्ष प्राकृतिक आपदाओं के कारण विशेषकर जलीय कृषि क्षेत्र में प्राथमिक उत्पादक अधिक प्रभावित हुए हैं। सुश्री नायर ने कहा कि 2008-09 के बाद से जलीय कृषि क्षेत्र प्रगति के

प्रदर्शनी हॉल का उद्घाटन

स्वागत भाषण देते एमपीईडीए के अध्यक्ष श्री के.एस. श्रीनिवास, आईएएस

मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथि

आईआईएसएस-2020 की स्मारिका का विमोचन

विपणन समाचार

उद्घाटन भाषण देते महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

आईआईएसएस-2020 को संबोधित करते केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष डॉ. क्रिस्टी फर्नांडीज

एसईएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश वी. फोफांडी आईआईएसएस-2020 को संबोधित करते हुए

एमपीईडीए के पूर्व अध्यक्ष आईएएस (सेवानिवृत्त) जी. मोहन कुमार आईआईएसएस-2020 को संबोधित करते हुए

एमपीईडीए के पूर्व अध्यक्ष आईएएस (सेवानिवृत्त) लीना नायर उद्घाटन सत्र को संबोधित करती हुईं

एसईएआई, केरल परिक्षेत्र के अध्यक्ष अलेक्स नैनन उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

विपणन समाचार

आईआईएसएस-2020 के उद्घाटन सत्र में उपस्थित श्रोतागण

श्रोताओं को संबोधित करते केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सोम प्रकाश

केरल की मत्स्य पालन मंत्री मर्कुट्टी अम्मा आईआईएसएस-2020 को संबोधित करते हुए

संसद सदस्य हिबी ईडन उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

एमपीईडीए के पूर्व अध्यक्ष टी.के.ए. नायर, आईएएस (सेवानिवृत्त) उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

एमपीईडीए एक्सपोर्ट अवार्ड समारोह का उद्घाटन करते केंद्रीय वाणिज्य एंव उद्योग राज्यमंत्री श्री सोम प्रकाश

पथ पर अग्रसर होता चला गया। तब इसने दो अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल किया जो कि अब 6.8 अरब डॉलर पहुंच गया है। श्री मोहन कुमार ने बताया कि वैश्विक समुद्री खाद्य व्यापार में भारत का योगदान केवल पांच प्रतिशत है उसके अंदर निर्यात के परिदृश्य में अपनी धमक दिखलाने की क्षमता है। भारत व्यापार शुल्क और गैर-व्यापार शुल्क जैसी बाधाओं पर काबू पाने और विविधीकरण के माध्यम से ब्लैक टाइगर समेत श्रिम्प केंद्रित व्यापार को आगे बढ़ने में पूरी तरह सक्षम है।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन यानी 8 फरवरी को आयोजित शिखर सम्मेलन को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री श्री सोम प्रकाश ने संबोधित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि समुद्री खाद्य क्षेत्र में भारत को अव्वल निर्यातक बनाने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में केन्द्र सरकार हर संभव मदद करेगी। इसके लिए राज्य सरकारों और एमपीईडीए सहित सभी हितधारकों को नए जोश के साथ एकजुट होना होगा। श्री प्रकाश ने कहा कि समुद्री खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में भारत को मौजूदा चौथे स्थान से पहले स्थान पर लाने की त्वरित आवश्यकता है। यह स्वीकार करते हुए कि इस क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता किए बिना भारत को उत्पादन और निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर समस्या पर विचार करने को तैयार है। देश के समग्र आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में सुधार की दिशा में इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है। वर्तमान में यह क्षेत्र लगभग 14.5 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। केंद्रीय मंत्री ने समुद्री खाद्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि आपकी जो भी समस्याएं हैं, सरकार उन पर विचार करने को तैयार है। इसके लिए उन्होंने एमपीईडीए को एक ज्ञापन प्रस्तुत करने को कहा ताकि इस क्षेत्र की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध किया जा सके।

दूसरे दिन सम्मेलन को संबोधित करने वालों में केरल की मत्स्य पालन मंत्री श्रीमती जे.मर्कुट्टी अम्मा, संसद सदस्य हबी ईडन, एसईएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश वी. फोफंडी और पूर्व एमपीईडीए अध्यक्ष जोस सीरियक व टी.के. नायर भी थे। मर्कुट्टी अम्मा ने केरल में मत्स्यं उद्योग को बढ़ावा

देने के लिए केंद्र से उदार वित्तीय सहायता की मांग की। सांसद श्री ईडन ने कहा कि मत्स्य विभाग को केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि इस क्षेत्र को आकस्मिक चुनौतियों से उबरने में मदद मिल सके।

श्री फोफांडी ने केंद्र से आग्रह किया कि यदि आवश्यक हो तो उन सभी देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे जाएं जहां यह क्षेत्र निर्यात से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि समुद्री खाद्य निर्यातकों के हित में वह यूरोपीय संघ के साथ इस मुद्दे को उठाएं। उन्होंने कहा कि सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि चीनी बाजार भारत के लिए खुला रहे, विशेष रूप से इस तथ्य को देखते हुए कि चीन एक अहम आयातक बन चुका है। श्री फोफांडी ने प्राथमिक उत्पादकों और निर्यात से संबंधित नीतिगत मामलों पर भी ध्यान दिए जाने की अपील की क्योंकि यह क्षेत्र अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में काम कर रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र को ग्रीन जोन में लाने और सरकारी एजेंसियों द्वारा एक ही काम के दोहराव के परिणामस्वरूप नियमों की बाधा हटाने की भी वकालत की।

श्री सीरियक ने क्षेत्र के उच्चतम विकास को प्राप्त करने की दिशा में हितधारकों की भूमिका की प्रशंसा की। श्री नायर ने आंध्र प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों द्वारा केरल में श्रिम्प आधारित जलीय कृषि को लेकर किए गए प्रदर्शन की याद दिलाई और सलाह दी कि उत्पादकों को पर्यावरण के मुद्दों पर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

आईआईएसएस-2020 के समापन पर एमपीईडीए अध्यक्ष के.एस. श्रीनिवास ने आयोजन को मील का पत्थर कहते हुए इसे बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि वाणिज्य, मत्स्य पालन, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के संयुक्त प्रयासों से समुद्री खाद्य क्षेत्र में आशातीत सुधार हो सकता है। श्री श्रीनिवास ने याद दिलाया कि एमपीईडीए ने केन्द्र को देशभर के 25 मत्सय बंदरगाहों के नवीनीकरण का प्रस्ताव दिया था। 2,500 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना की शुरुआत में कोच्चि के थोप्पमपड्डी और आंध्र प्रदेश के निजामपट्टम बंदरगाह का उच्चीकरण और आधुनिकीकरण किया जाना है। हम अर्नस्ट एण्ड यंग नामक कंसल्टेंट के साथ इसकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार कर रहे हैं। यह दस्तावेज़ अगले माह प्रस्तुत कर दिया जाएगा। मंजूरी मिलने के साथ ही हम परियोजना पर आगे बढ़ जाएंगे।

एमपीईडीए की माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला का उद्घाटन

इस आयोजन की एक प्रमुख विशेषता कोच्चि में एमपीईडीए की पहली अत्याधुनिक माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला का उद्घाटन था। यह प्रयोगशाला समुद्री उत्पादों के प्रमाणीकरण के साथ ही देश के समुद्री खाद्य निर्यात को लक्षित स्तर तक ले जाने के प्रयासों को सुगम बनाने में मददगार होगी। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री श्री रामेश्वर तेली ने प्रयोगशाला का उद्घाटन किया और कहा कि इससे हमारे समुद्री खाद्य क्षेत्र को, विशेषकर गुणवत्ता के मोर्चे पर वैश्विक निर्यात बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा से उबरने में मदद मिलेगी।

इस प्रयोगशाला में उत्पादन काल सहित विभिन्नप चरणों में सभी प्रकार के समुद्री भोजन का परीक्षण किया जा सकेगा। किसी भी बैक्टीरिया की उपस्थिति से बचने के लिए निर्यात से पूर्व यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि निर्यातकों को घटिया गुणवत्ता के आधार पर विदेशों में अपने उत्पादों की अस्वीकृति का सामना न करना पड़े। ऐसी प्रयोगशाला इसलिए भी अनिवार्य हो गई थी कि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख आयातक अपनी आबादी की स्वास्थ्य रक्षा के मद्देनजर गुणवत्ता मानदंडों को कसते जा रहे हैं। एमपीईडीए के सचिव बी. श्रीकुमार ने बताया कि इस नई प्रयोगशाला को स्थापित करने में प्राधिकरण को सिर्फ एक वर्ष का समय लगा। यह माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला कोच्चि (केरल), भीमावरम और नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में पहले से मौजूद गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं के अलावा है।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री श्री रामेश्वर तेली ने कोच्चि में माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

जलीय कृषि के लिए प्रमाणन प्रणाली सफारी की शुरुआत

'आईआईएसएस-2020' का आयोजन जलीय कृषि के क्षेत्र में एमपीईडीए की एंटीबायोटिक मुक्त प्रमाणन प्रक्रिया 'सफारी' के लॉन्च का भी गवाह बना। यह प्रणाली लार्वा काल के साथ ही श्रिम्प के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन की गारंटी देती है और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय श्रिम्प की गुणवत्ता को प्रमाणित करती है। यह शुरू से लेकर अंत तक की निदान प्रणाली है जो कि एमपीईडीए को देशभर की हैचरियों में लार्वा काल के साथ ही श्रिम्प की गुणवत्ता के परीक्षण का अधिकार देती है। सफारी प्रमाणन प्रणाली को डिजिटल आइडेंटिफिकेशन सोल्यूशन प्रोवाइडर सेंटाइजन टेक्नोलॉजीज के सहयोग से विकसित किया गया है। इससे सुपरबग्स नामक औषधि रोधी बैक्टीरिया की पहचान की दिशा में काम कर रहे शीर्षस्थि वैश्विक निकायों को भी मदद मिल सकेगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी वैक्टीरिया के एक उपभेद की पहचान को सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक बड़ी चिंता के रूप में देख रहे हैं, ऐसे में भारतीय किसानों को चाहिए कि वे किसी शासकीय निकाय द्वारा प्रमाणित हैचरी से ही एंटीबायोटिक मुक्त बीज खरीदें। यह संपूर्ण प्रमाणन प्रक्रिया केंद्र सरकार के ई-गवर्नेंस कार्यक्रम के अनुरूप ऑनलाइन होगी। वैसे 'एमएससी' और 'बीएपी' जैसी अनेक अपतटीय प्रमाणन प्रणालियां मौजूद हैं लेकिन ये महंगी होने के कारण छोटे और सीमांत भारतीय किसानों की पहुंच से बाहर हैं। नई प्रमाणन प्रणाली को लॉन्च करने का उद्देश्य देश के सभी जलीय किसानों को सस्ती प्रमाणन योजना उपलब्धी कराना है। इसके जरिये किसान स्वतंत्र रूप से देशभर में हैचरी द्वारा पेश किए गए बीज एंटीबायोटिक-मुक्त बीजों का ऑनलाइन पता लगाने में सक्षम हो सकेंगे। इस प्रणाली से निर्यात को काफी बढ़ावा मिल सकेगा क्योंकि हमारे निर्यातक वैश्विक स्तर पर व्यापार करते समय विश्वसनीय दस्तावेज के रूप में इस प्रमाणीकरण का उपयोग कर सकेंगे। यह प्रणाली जलीय कृषि के लिए निश्चित किए गए एफएओ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है।

आईआईएसएस-2020 में स्टॉलों की आकर्षक शृंखला

शो के दौरान सबसे अधिक ध्यान खींचा, हॉल में लगे स्टॉलों की आकर्षक शृंखला ने। कुल 330 स्टॉलों में उत्पादों और प्रोद्योगिकी की एक विशाल रेंज नजर आ रही थी। इन स्टॉलों में स्वचालित और आईटी-सहायता प्राप्त पूर्व-प्रसंस्करण, प्रसंस्करण और भंडारण इत्यादि पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। इसके अलावा कई स्टॉल ऐसे थे जो विभिन्न उपकरण और प्रमाणन/ परीक्षण जैसे क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं ने खोले हुए थे। विभिन्ने जलीय कृषि प्रजातियों के विकास के विभिन्न चरणों में उपयोग के लिए वन्नामी श्रिम्प-चारे से भरे हुए मजेदार जार भी प्रदर्शित किए गए थे। आंध्र प्रदेश के देवी सीफूड्स लिमिटेड द्वारा उत्कृष्ट वैज्ञानिक विधि से विकसित इस चारे को श्रिम्प के संपूर्ण पोषण की आवश्यकता को ध्यान में रखकर विटामिन और खनिजों से संपुष्ट किया गया था। संतुलित अमीनो एसिड प्रोफाइल वाला यह चारा श्रिम्प के तीन माह के जीवनकाल में पांच चरणों में दिया जाता है। एमपीईडीए की पहल पर सीफूड इंडिया ने भी अपना स्टॉल लगाया हुआ था जो कि देश भर से निर्यात होने वाले गुणवत्तापूर्ण समुद्री खाद्य उत्पादों की एकमुश्त खुदरा बिक्री करने वाली सुविधा है। वह सीएमएफआरआई, सीआईएफटी और एनआईएफएपीएटीटी जैसे प्रमुख मत्स्य अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित 'रेडी-टु-कुक' और 'रेडी-टू-ईट' मूल्यवर्धक उत्पादों को बेचती है। चेन्नई मेटेक्स लैब ने चारा, कृषि उत्पादों और जल का परीक्षण करने वाले उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई हुई थी। यह कंपनी मत्स्य उत्पादों का परीक्षण करती है और सूक्ष्म जीवविज्ञानी जांच के अलावा उत्पादन का अंतिम निरीक्षण और कंटेनर की भी जांच करती है। गोदरेज ने भंडारण समाधान के लिए पैलेट रैकिंग उत्पादों जैसे 'सेलेक्टिव डबल

डीप' और 'शटल' को प्रदर्शित किया। इन रैकों में फ्रोजन किए जाने वाले उत्पादों को ले जाया जाता है। स्वीडिश समूह ओक्टोफ्रॉस्ट जिसका भारतीय कार्यालय फरीदाबाद (हरियाणा) में है, उसने फ्रोजन खाद्य-प्रसंस्करण लाइनों को प्रदर्शित किया हुआ था जिनमें टनल फ्रीजर, फ्लैश चिलर, आईएफ कुकर और आईएफ ब्लैंचर्स शामिल थे।

महाराष्ट्र में पुणे के निकट स्थित पुश इंजीनियरिंग ने फैक्ट्री-असेंबल्ड स्किड-माउंटेड आइस प्लांट इकाइयों को प्रदर्शित किया। ये इकाईयां स्थयलों पर न सिर्फ उत्पादन अवधि को कम करती हैं, बल्कि जगह की जरूरत को भी पूरा करती हैं। गुजरात के वेरावल के महादेव एंटरप्राइज ने अपने स्टॉल में समुद्री खाद्य कारखानों में कार्यदशाओं के लिए कारगर समझे जाने वाले साजो-सामान की नुमाइश लगाई हुई थी। इनमें टी-शर्ट, कोट, सलवारकुर्ता, कैप, एप्रन, गमबूट्स, जूते, दस्ताने, मास्क और कान-स्ट्रिप्स शामिल थे। हैदराबाद के निकट स्थित मंजुश्री ग्रुप ने लचीली पैकेजिंग के लिए बाजार की जरूरतों को पूरा करने वाले उत्पादों को पेश किया था। मुंबई की जेआईएसएल ने उत्पादों की अंतिम पैकिंग या शिपिंग के लिए बहुउद्देशीय अनुप्रयोगों और लेबल प्रिंटर सहित माप-तौल के पैमानों को प्रदर्शित किया था। कोच्चि के उपनगरीय इलाके वन्नला के ट्राइटन ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ने स्थानीय और अंतराष्ट्रीय खाद्य आपूर्तिकर्ताओं के लिए खाद्य योजकों के आयात, निर्यात, निर्माण और वितरण में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए शानदार स्टॉल लगाया था।

आईआईएस-2020 की झलकियां

आईआईएस-2020 की झलकियां

तकनीकी सत्र

'आईआईएसएस-2020' के तीनों दिन समुद्री खाद्य उद्योग की प्रगति और विकास से जुड़े तमाम संवेदनशील मुद्दों पर गहन मंथन चला। इसमें उद्योग के हितधारकों, नीति निर्माताओं और अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह इन सभी के लिए संबंधित विषयों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच था। संवाद के विषय थे- संभावित बाजार और विनियामक वातावरण, लाइव श्रिम्प परिवहन, समुद्री खाद्य संबंधी एफडीए नियम, चिरस्थायी मत्स्यिकी और नीली क्रांति का विकास, विदेशी बाजारों में भारतीय टूना की संभावनाएं और 2020 में उत्तरी अमेरिका और यूरोप में समुद्री भोजन का सतत निर्यात। विभिन्न सत्रों को भारत सहित फ्रांस, सिंगापुर, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान, नीदरलैंड, जर्मनी और फीजी के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने संबोधित किया।

इसके अलावा डेनफॉस इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड और टीसीएस द्वारा व्यावसायिक प्रस्तुतियां दी गईं। 'संभावित बाजार और विनियामक वातावरण' विषयक सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने माना कि चीन उच्च और मध्यम वर्ग की बढ़ती उपस्थिति के साथ समुद्री भोजन आयात के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। चीन की यह आबादी स्वस्थ भोजन के प्रति उत्सुक है। फ्रांस के समुद्री खाद्य सलाहकार कार्सन रॉपर ने 'चीन और श्रिम्प की खेती' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि पूर्वी एशियाई देश समुद्री उत्पाद का एक बड़ा बाजार हैं। यह बाजार अभी काफी हद तक अप्रयुक्त है। रॉपर ने कहा कि उनका ऐसा अनुमान है कि चीन दुनिया में समुद्री खाद्य के शीर्षस्थ 11 बाजारों में बना रहेगा। हालांकि समुद्री खाद्य उद्योग को इस दिशा में जागरूक होना चाहिए कि 'न्यू रिटेल' का रुझान 'ऑनलाइन' को तेजी से बदल रहा है। चीनी ई-कॉमर्स दिग्गज 'अलीबाबा' एक रिटेल इको तंत्र का निर्माण कर रहा है जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों के मेल से उपभोक्ता को एक कर रहा है। हालांकि वक्ताओं ने सावधान किया कि समुद्री खाद्य व्यापार में एक भागीदार के तौर पर चीन पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। एक अन्य सत्र 'टूना एक्सपोर्ट वैल्यू चेनः बैटर हार्वेस्ट प्रैक्टिसेज' पर केंद्रित था। श्री रॉपर ने 'कंट्री एण्ड ब्रांड लायल्टीः एन एक्सप्लोरेशन ऑफ सक्सेसफुल एण्ड नॉन सक्सेसफुल नेशनल एण्ड कॉरपोरेट सीफूड मार्केटिंग इनिशियेटिव्ज' विषयक प्रस्तुति के साथ इसकी इसकी शुरुआत की। सत्र के अन्य वक्ताओं में सिंगापुर के 'एक्वाकल्चर इनोवेशन सेंटर' के डॉ. ली ची वे थे जिन्होंने 'लाइव श्रिम्प ट्रांसपोर्टेशन' विषय पर अपने विचार रखे। 'सीफूड के एफडीए नियमों के अवलोकन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ क्रिस्टोफर प्राइडी और 'देश के विनियमों और व्यापार पर प्रभाव' विषय पर एमपीईडीए के उप निदेशक मार्केटिंग आर.एम मांडलिक ने बोला। सत्र का संचालन केंद्रीय मत्स्य संस्थान के निदेशक डॉ. सी.एन. रविशंकर ने किया। श्री मांडलिक ने बताया कि एमपीईडीए किस प्रकार देश के जलीय किसानों के लिए समुद्री खाद्य मानकों व नियमों के प्रवाह को सुनिश्चित करता है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां सूचनाओं का प्रसार तंत्र दुरुस्त है और किसानों को समय पर संदेश मिल जाता है। हां, हमें सिर्फ यह करना होता कि किसान उस अनुरूप कार्य करने को प्रेरित हों। हम इस दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। प्रमाणन, पारगम्यता और मूल्य संवर्धन पर भी एक सत्र था जिसमें आंध्र प्रदेश के भारत की समुद्री खाद्य राजधानी बने रहने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

आईसीएआर-केंद्रीय मत्स्य प्रोद्यौगिकी संस्थान(सीआईएफटी), कोच्चि के निदेशक डॉ. सी.एन. रविशंकर

फ्रांस में स्वतंत्र रूप से काम करने वाले सलाहकार कार्सन रॉपर

विपणन समाचार

जलीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, सिंगापुर के डॉ. ली ची वी

अतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ, यूएसएफडीए, भारत क्रिस्ट्रोफर प्राइडी

ईआईसी, नई दिल्ली के उप निदेशक राजू मांडलिक

केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज एण्ड ओशन स्टडीज, कोच्चि के कुलपति प्रो. ए. रामचन्द्रन

सीफूड वाच साइंस, यूएसए की निदेशक वेंडी नॉर्डन

जापान फिशरीज एसोसिएशन, टोक्यो के काजुहिको उत्सुमी

नीदरलैंड के स्टेंडर्ड कोऑडिनेटर मार्सिलो हिडाल्गो

मैरीन स्टिवर्डशिप काउंसिल, लंदन के भारतीय सलाहकार डॉ. रजीत सुशीलम

विपणन समाचार

ब्लू सेंसस, जर्मनी के यूडा सेंसकोवस्की

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, नई दिल्लीक के सहायक महानिदेशक (मैरीन फिशरीज) डॉ. प्रवीण पुथरन

ज़ूड फ़ूड्स इंडिया प्रा.लि. कन्याकुमारी, भारत के शाजी मैथ्यू

ट्राइपैसेफिक मैरीन लि. फीजी के मुख्य कार्यकारी सतीश क्षीरसागर

मैसर्स लक्ष्मीकुमारन एण्ड श्रीधरन, चेन्नई के पी. श्रीधरन

मैसर्स लक्ष्मीकुमारन एण्ड श्रीधरन, चेन्नई के आर. श्रीनिवासन

विपणन समाचार

विपणन समाचार

अगला आईआईएसएस 2022 में कोलकाता में होगा

अगला आईआईएसएस 2022 में कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस द्विवार्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य एक्वाकल्चर में नवीनतम तकनीकी हस्तक्षेपों को दर्शाना और उन मामलों पर विचार-विमर्श करना है जो देश के समुद्री उत्पाद क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान कर सकते हैं।

वर्ष 2017-18 के लिए पुस्कार विजेताओं की सूची

निर्यातकों की उपलब्धियों को पहचान मिले, इसके लिए एमपीईडीए ने हाल ही में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ निर्यातक के लिए एमपीईडीए चेयमैन्स अवार्ड स्थापना की है। वर्ष 2018-19 के लिए, इसे मैसर्स गद्रे मरीन एक्सपोर्ट प्रा.लि. रत्नागिरी, महाराष्ट्र को प्रदान किया गया। पुरस्कारों के क्रम में एक अन्य नई पहल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड थी जो केरल के अमलगाम समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अब्राहम जे. थरक्कन को दिया गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश और केरल की मत्स्य मंत्री जे. मर्कुट्टी अम्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 60 कंपनियों और व्यक्तियों को एमपीईडीए पुरस्कार प्रदान किए।

2017-18 के लिए पुरस्कारों की सूची

Category	Position	Awardee
I. Overall Exports		
(A) Value wise	1st	Devi Seafoods Ltd., Andhra Pradesh
	2nd	Nekkanti Seafoods Ltd., Andhra Pradesh
(B) Quantity wise	1st	Mukka Seafood Industries Ltd, Karnataka
	2nd	Ulka Seafoods Pvt. Ltd., Maharashtra
II. Commodity Wise		
(A) Frozen Shrimp	1st	Devi Seafoods Ltd., Andhra Pradesh
	2nd	Nekkanti Seafoods Ltd., Andhra Pradesh
(B) Frozen Cephalopods	1st	Profand Vayalat Marine Exports Pvt. Ltd., Kerala
	2nd	Silver Seafood, Gujarat
(C) Frozen Fin Fish	1st	Sun Exports, Gujarat
	2nd	Silver Seafood, Gujarat
(D) Chilled Marine Products	1st	Aqua World Exports Pvt. Ltd., Tamil Nadu
	2nd	Gold Marine Exports Pvt. Ltd., Tamil Nadu
(E) Dried Marine Products		
(i) Dried Marine Products other than Fish Meal, Fish Oil and Allied products	1st	Sanrhy Exim Pvt. Ltd., West Bengal
	2nd	Kolkata Marine Products Pvt. Ltd., West Bengal
(ii) Fish Meal, Fish Oil and Allied Products	1st	United Marine Products, Karnataka
	2nd	Mukka Seafood Industries Ltd, Karnataka
(F) Molluscs Other Than Cephalopods	1st	Seaboy Fisheries Pvt. Ltd., Kerala
	2nd	Capithan Exporting Co., Kerala
(G) Frozen Surimi	1st	Ulka Seafoods Pvt. Ltd., Maharashtra
	2nd	Amarsagar Seafoods Pvt. Ltd., Gujarat
III. Live Marine Products Other Than Aquarium Fish	1st	S A T Marine Export, Tamil Nadu
	2nd	Cresent Seafoods, Tamil Nadu
IV. Aquarium Fish	1st	Malabar Tropicals, West Bengal
	2nd	Aqualine Exports, Kerala
V. Special Efforts		
(A) Value Added Products	1st	Accelerated Freeze Drying Co. Ltd., Kerala

	2nd	HIC-ABF Special Foods Pvt. Ltd., Kerala
(B) New Product	1st	Andhra Medi Pharma India Pvt. Ltd, Andhra Pradesh Item Glucosamine
(D) Woman Entrepreneur	1st	Ifaawin Marine Export India Pvt. Ltd., Tamil Nadu

वर्ष 2018-19 के लिए पुरस्कारों की सूची

Category	Position	Awardee
I. Overall Exports		
(A) Value wise	1st	Falcon Marine Exports Ltd., Odisha
	2nd	Devi Sea Foods Ltd., Andhra Pradesh
(B) Quantity wise	1st	Gadre Marine Export Pvt. Ltd., Maharashtra
	2nd	Mukka Seafood Industries Ltd, Karnataka
II. Commodity Wise		
(A) Frozen Shrimp	1st	Falcon Marine Exports Ltd., Odisha
	2nd	Devi Sea Foods Ltd., Andhra Pradesh
(B) Frozen Cephalopods	1st	Profand Vayalat Marine Exports Pvt. Ltd., Kerala
	2nd	Amulya Seafoods, Tamil Nadu
(C) Frozen Fin Fish	1st	Sun Exports, Gujarat
	2nd	St. Peter & Paul Seafood Exports Pvt. Ltd., Tamil Nadu
(D) Chilled Marine Products	1st	Aqua World Exports Pvt. Ltd., Tamil Nadu
	2nd	Gold Marine Exports Pvt. Ltd., Tamil Nadu
(E) Dried Marine Products		
(i) Dried Marine Products other than Fish Meal, Fish Oil and Allied products	1st	Kolkata Marine Products Pvt. Ltd., West Bengal
	2nd	K M C Enterprise, Maharashtra
(ii) Fish Meal, Fish Oil and Allied Products	1st	Mukka Sea Food Industries Ltd., Karnataka
	2nd	United Marine Products, Karnataka
(F) Molluscs Other Than Cephalopods	1st	Seaboy Fisheries Pvt. Ltd., Kerala
	2nd	AvlaNettos Exports, Kerala
(G) Frozen Surimi	1st	Gadre Marine Export Pvt. Ltd., Maharashtra
	2nd	Ulka Seafoods Pvt. Ltd., Maharashtra
III. Live Marine Products Other Than Aquarium Fish	1st	Puja Export House, West Bengal
	2nd	Scanet Trading Pvt. Ltd., Tamil Nadu
IV. Aquarium Fish	1st	Malabar Tropicals, West Bengal
	2nd	Aqualine Exports, Kerala
V. Special Efforts		
(A) Value Added Products	1st	Gadre Marine Export Pvt. Ltd., Maharashtra
	2nd	Accelerated Freeze Drying Co. Ltd., Kerala
(C) New Market	1st	BlueFin Frozen Foods Pvt. Ltd, Maharashtra - Country : Jamaica
(D) Woman Entrepreneur	1st	Vasai Frozen Foods, Maharashtra
VI. Chairman's special award for the most Responsible Exporter of the year	1st	Gadre Marine Export Pvt. Ltd., Maharashtra
VII. Life Time Achievement Award	1st	Mr. Abraham J Tharakan, Chairman & Managing Director, Amalgam Group

एमपीईडीए निर्यात पुरस्कार वितरण की झलकियाँ

एमपीईडीए निर्यात पुरस्कार वितरण की झलकियाँ

एमपीईडीए निर्यात पुरस्कार वितरण की झलकियाँ

सर्वश्रेष्ठ निर्यातक के लिए 'चेयरमैन्स स्पेशल अवार्ड' प्राप्त करते मैसर्स गाड्रे मैरीन एक्सपोर्ट प्रा.लि. रत्नागिरी

'एमपीईडीए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त करते अमलगाम समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अब्राहम जे. थराकान